and installation of large mainframe computers. During the processing of the tender, it was observed that the investment called for was of a very large scale. At the same time it was noticed that newer models superceding the quoted models were being marketed by the vendors. On account of these factors, the company considered it appropriate to review its plans of investment on computers.

In the meantime, the comuting facilities which had become a constraint at the units needed immediate upgradation. The upgradation had to be carried out necessarily in line with the existing hardware and software at the units. Therefore, the original supplier i.e. M/s. International Computers Indian Manufacturer Limited (M/s. ICIM), whose equipments have been under rentals, was called in to upgrade the facilities at Trichy, Hyderabad and Bhopal partial using existing equipment and by supplying Series-39 systems being manufactured in the country. Series-39 systems are the latest models of M/s. ICIM superior in performance to the existing Series-6000 machines and facilitate immediate transfer of existing and developed software and the workload. These are being installed on outright, purchase basis with an investment of Rs. 7.14 crores approximately for the three units. The system now being procured conforms to the standards of BHEL.

एकाधिकार तथा अवरोधक व्यापारिक व्यवहार आयोग द्वारा प्रस्तुत की गई रिपोर्ट

1419. श्री विश्वंभराव रामराव पाटिल : क्या उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) 1986-87 के दौरान एकाधिकार तथा अवरोधक व्यापारिक व्यवहार आयोग द्वारा प्रशासनिक रिपोर्ट सहित कितनी रिपोर्टें प्रस्तुत की गईं ;

(ख) उन बड़े औद्योगिक घरानों/व्यक्तियों के नाम क्या-क्या हैं ; जिनका उल्लेख रिपोर्टों में किया गया है ; और

(ग) एकाधिकार तथा अवरोधक व्यापारिक व्यवहार आयोग की रिपोर्टों के आधार पर सरकार द्वारा क्या कार्यवाही की गई है ?

उद्योग मंत्रालय में औद्योगिक विकास विभाग में राज्य मंत्री (श्री एम० अरुणाचलम) : (क) से (ग) अप्रल, 1986 से मार्च, 1987 की अवधि के दौरान एकाधिकार तथा अवरोधक व्यापारिक व्यवहार आयोग ने केवल दो रिपोर्टें प्रस्तुत की थी, जिनमें से एक वर्ष 1985 के लिए एकाधिकार तथा अवरोधक व्यापारिक व्यवहार अधिनियम, 1969 के उपबन्धों के कार्यान्वयन से संबंधित 15वीं वार्षिक रिपोर्ट में शामिल करने हेतु एकाधिकार तथा अवरोधक व्यापारिक व्यवहार आयोग के कार्यकरण के बारे में थी और दूसरी रिपोर्ट वर्ष 1986-87 के लिए कम्पनी कार्य विभाग की वार्षिक रिपोर्ट के प्रयोजनार्थ एकाधिकार तथा अवरोधक व्यापारिक व्यवहार अधिनियम में यथा अन्तर्विष्ट एकाधिकारिक, अवरोधक तथा अनुचित व्यापार प्रथाओं के उपबन्धों से संबंधित थी । वर्ष 1985 के लिए एकाधिकार तथा अवरोधक व्यापारिक व्यवहार अधिनियम, 1969 के उपबन्धों के कार्यान्वयन से संबंधित वार्षिक रिपोर्ट 24 अगस्त, 1987 को सभा पटल पर रखी गई थी, जबकि कम्पनी कार्य विभाग की वर्ष 1986-87 की वार्षिक रिपोर्ट 6 अप्रैल, 1987 को सदन के सदस्यों में परिचालित की गई थी ।

Licences for establishing industires in Andhra Pradesh

1420. PROF. C. LAKSHMANNA: Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state:

(a) how many licences have been sanctioned during the last three years for the establishment of industries in Andhra Pradesh;

(b) what are the details of the licences, the location and the cost estimates of these industries;